

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

१०-११
१०-११

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 471] नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 8, 1980/आश्विन 16, 1902
No. 471] NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 8, 1980/ASVINA 16, 1902

इस भाग में विश्व पृष्ठ संलग्न वी जाती है जिससे किं यह अलग संकलन के
लिए रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 1980

का०आ० 839(अ).—केन्द्रीय सरकार की, मैसर्स काशीराम टी इंस्ट्रीज लिमिटेड, पी-11,
यू. हावड़ा एप्रोच रोड, कलकत्ता-1 के सामिल्याधीन वार्जिलिंग जिला के कलिपोंग सबवडियीजन
में स्थित, सामाविगोंग टी एटेट नामक चाय एकक की वाष्टत, यह राय है कि—

- (1) पांच वर्ष की अवधि में, अर्धांत् 1974 से 1978 की अवधि में, उक्त चाय एकक को
1974 से लगातार चार वर्ष तक हानि हुई है;
- (2) वर्ष 1974 से 1978 के दौरान इस चाय एकक की औसत उपज, जिसे की औसत
उपज से पच्चीम प्रतिशत (25%) कम रही है;
- (3) चाय एकक का प्रबन्ध ऐसे ढंग से किया जा रहा है जो चाय उद्योग तथा सोकहित
के लिए बहुत अपायकर है।

प्रन: अब केन्द्रीय सरकार, चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) की धारा 16-ब की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त याकियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वाणिज्य और सारांशिक पूर्ति भंगालय की अधिमूचना सं० 725(प्र), तारीख 14 नवम्बर, 1979 की अधिकान्त करते हुए उक्त चाय एकक के मामलों का पूर्ण और व्यापक अध्येत्य करने के प्रयोजन के लिए याकियों का एक निकाय नियुक्त करती है, जिसमें निम्नलिखित होंगे :—

- (1) श्री एम० एस० नन्दकील्यार, निदेशक, चाय विकास, चाय बोर्ड।
- (2) श्री एम० विश्वाम, वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी, चाय बोर्ड।
- (3) श्री शी०एल० विश्वाम, उप-सलाहकार विभाग, पश्चिमी अंगाल सरकार, कलकत्ता।
- (4) श्री ए० क० रायजीधरी, उप-सलाहकार (विस), लोक उद्यम भूरो, मधूर, भवन, कलकत्ता।
- (5) श्री एम०एम० शाह, संयुक्त निदेशक (लेखा), कार्यालय प्रादेशिक निदेशक, कंपनी विधि बोर्ड, कलकत्ता।

2. याकियों का उक्त निकाय, इस आवेदन के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से नव्वे दिन की अवधि के भीतर, अपनी रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को प्रस्तुत करेगा।

[का०सं० शी-12012(5)/79-प्लाट(ए)]

श्री० डॉ० तेलंग, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Commerce)

ORDER

New Delhi, the 3rd October, 1980

S.O. 839(E).—Whereas the Central Government is of opinion that in respect of the tea unit known as Sambeong Tea Estate in Kalimpong Sub-division of Darjeeling district, owned by M/s. Kashiram Tea Industries Ltd., P-11, New Howrah Approach Road, Calcutta-1, that—

- (i) out of the period of five years, 1974—78, the tea unit has made losses consecutively for four years from 1974;
- (ii) the average yield of the tea unit during the years 1974 to 1978 has been lower than the district average yield by twenty five per cent (25%);
- (iii) the tea unit is being managed in a manner highly detrimental to the tea industry and to public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 16B of the Tea Act, 1953 (29 of 1953) and in supersession of the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce and Civil Supplies No. 725(E), dated the 14th November, 1979, the Central Government hereby appoints, for the purpose of making a full and complete investigation into the affairs of the said tea unit, a body of persons consisting of—

1. Shri S. S. Nandkeolyar, Director of Tea Development, Tea Board.

-
- 2. Shri S. Biswas, Financial Adviser & Chief Accounts Officer, Tea Board.
 - 3. Shri B. L. Biswas, Deputy Secretary, Commerce & Industries Deptt., Government of West Bengal, Calcutta.
 - 4. Shri A. K. Roychowdhury, Deputy Adviser (Finance), Bureau of Public Enterprises, Mayur Bhawan, New Delhi.
 - 5. Shri M. L. Sah, Joint Director (Accounts), Office of the Regional Director Company Law Board, Calcutta.
2. The said body of person shall submit its report to the Central Government within a period of ninety days from the date of publication of this Order in the Official Gazette.

[File No. B-12012(5)/79-Plant(A)]

D. W. TELANG, Jt. Secy.

